Hindi Milap

Hindi Milap | P.N. 14 | **Hyderabad** | **16-Dec-18**

में लिया। इसके अलावा ... भोनगीर की शी टीम्स ने दो बाल विवाह रुकवाने में सफलता हासिल की।

हाइटेक्स में आरंभ उन्मुक्त फेस्टिवल में चहकते वरिष्ठ नागरिक।

उन्मुक्त फेस्टिवल में बुढ़ापे को बोझ न समझने का आह्वान

हैदराबाद, 15 दिसंबर
(श्रद्धा विजयलक्ष्मी)

वरिष्ठ नागरिकों की जीवनशैली से जुड़े विविध विषयों पर आधारित उन्मुक्त फेस्टिवल आज हाइटिक्स में आरंभ हुआ। इसमें वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी सेवाओं जैसे स्वास्थ्य, आवास, वित्त, कानून, प्रौद्योगिकी आदि को समाहित किया गया है। केडब्ल्यू क्राफेंसेज द्वारा गूगल, हेल्प एज इंडिया, हेरीटेज फाउंडेशन, इंडिया, नोवल हाईजीन आदि संस्थाओं के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ-साथ गैर-सरकारी संगठन भाग ले रहे हैं। रविवार, 16 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क है।

हेरीटेज फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ.के.आर. गंगाधरन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रिटायर होने की कोई आयु नहीं होती है। साठ साल के बाद रिटायर होने की बात सिर्फ मानसिकता भर है। असली जिंदगी तो साठ साल के बाद शुरू होती है। 'ओवर व्यू ऑफ सीनियर केयर इन इंडिया' विषय पर प्रकाश डालते हुए डॉ. गंगाधरन ने कहा कि हमारे देश में साठ साल की आयु को बुढ़ापा माना जाता है, जबकि अन्य देशों में इस पर बात अस्सी साल के बाद की जाती है। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा कोई बोझ नहीं है। यह जिंदगी का वह पड़ाव है, जब व्यक्ति परिवार से जुड़े उत्तरदायित्वों से मुक्त होकर अपने मन की चीज स्वतंत्र रूप से कर सकता है। इसलिए इस वय को बोझ नहीं माना जाना चाहिए। अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने भारत सरकार के उत्तरदायित्वों पर भी चर्चा की। डॉ. गंगाधरन ने आगे कहा कि भारत में बुजुर्गों को सरकार से तीन चीजें चाहिए - वित्त सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा देखभाल। उन्मुक्त फेस्टिवल की फाउंडर मोनीमीता सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में यह अपने तरह का पहला अनूठा कार्यक्रम है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी सेवाओं को एक पटल पर लाकर उन पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि उन्मुक्त फेस्टिवल आयोजन भर नहीं है। इसका उद्देश्य बुजुर्गों को उनकी अवस्था का पूर्ण आनंद लेने के लिए अनुकूल स्थितियाँ उपलब्ध कराना है। हमारे जीवन का एक तिहाई हिस्सा वृद्धावस्था में बीतता है। इसलिए इस अवस्था के हर चरण में जीवन का पूर्ण आनंद प्राप्त किया जा सकता है। यह अवस्था जीवन के समाप्त होने का परिचायक नहीं है। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में बुजुर्ग मैरॉथन जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेकर समाज के लिये प्रेरक बन रहे हैं। दो दिवसीय उत्सव में आठ हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि उत्सव के तहत विविध कार्यशालाओं तथा पैनल चर्चाओं का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में हेल्प एज इंडिया के चीफ एक्जीक्यूटिव मैथ्यू चेयिरन, एबिलिटीज एक्सपो के चेयरमैन लेविस आर. शूमेर, उन्मुक्त की परामर्शदाता सविता महाजन, विजयलक्ष्मी प्रभाकर व अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बाजार में बुजुर्गों के लिए उपलब्ध विविध प्रकार की सेवाओं, उत्पादों, प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला। साथ ही बुजुर्गों के लिए अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण पर बल दिया।

फेस्टिवल में वरिष्ठ नागरिकों तथा बुजुर्गों की जीवनशैली के सेवा क्षेत्रों से जुड़े आधुनिक उत्पादों को साठ से अधिक स्टॉलों पर उपलब्ध कराया गया है। उन्मुक्त फेस्टिवल के पहले दिन बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज करायी।

फेस्टिवल से जुड़ी अधिक जानकारी www.unmukt-festival.com से प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ सभी आयु वर्ग के लोग भाग ले सकते हैं।